परमेश्वर प्रार्थना का उत्तर कैसे देता है?

एक डॉक्टर एक बार अपने घर से दूर किसी शहर में जा रहा था। उसका नाम डॉक्टर अहमद था। वह एक चिकित्सा सम्मेलन में भाग लेने जा रहे थे। यह एक सम्मेलन था जिसके लिए डॉ. अहमद बहुत उत्सुक थे। उन्हें रोगों के उपचार में की गई एक बहुत ही महत्वपूर्ण खोज के लिए एक पुरस्कार प्राप्त करना था। पिछले कई सालों से उन्होंने बिना देखे ही दिन-रात शोध कार्य किया था। वह सारी मेहनत आखिरकार रंग लाई और इसके परिणामस्वरूप वह पुरस्कार के हकदार बन गएथे।

डॉक्टर बहुत उत्साहित महसूस कर रहे थे। जब वह शहर पहुंचा तो उसके चेहरे पर उसके भाव साफ पढ़े जा सकते थे। हवाईजहाज में चढ़ने के बाद भी वे अक्सर अपनी घड़ी देखते थे। थोड़ा-थोड़ा करके उसका मन सम्मेलन के विचारों में लीन हो गया। बस ! अब सिर्फ दो घंटे! और फिर वहाँ! ' ऐसा। यहां तक कि उनके दिमाग में यह विचार कौंध रहा था।

लेकिन उसी समय विमान के पायलट ने अचानक घोषणा की कि विमान के इंजन में गंभीर खराबी के कारण उसे तुरंत किसी नजदीकी हवाई अड्डे पर उतरना है! डॉक्टर हैरान रह गया। उन्हें इस बात की भी चिंता थी कि वे समय पर सम्मेलन में नहीं पहुंच पाएंगे। लेकिन ऐसी आपात स्थिति में विमान को लैंड करना पड़ा। डॉ. अहमद के मन में गभराहट होने लगी।

जैसे ही विमान पास के एक छोटे से हवाई अड्डे पर उतरे, डॉक्टर हेल्पडेस्क पर पहुंचे। उसने मदद के लिए वहां खड़ी महिला को अपनी स्थिति बताई। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें जल्द से जल्द सम्मेलन में पहुंचना है। उन्होंने वहां पहुंचने के लिए जल्द से जल्द फ्लाइट बुक करने का अनुरोध किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अगर एक-दो घंटे में फ्लाइट हो तो बेहतर होगा।

'सॉरी सर' महिला ने कहा, जिस शहर में आप पहुंचना चाहते हैं वहां जाने के लिए अगले दस घंटे के लिए यहां से कोई दूसरी फ्लाइट नहीं है। लेकिन अगर आप बुरा न मानें तो मेरे पास एक सुझाव है। कार को हवाई अड्डे के बाहर से किराए पर लिया जा सकता है। अगर आपके पास ड्राइविंग लाइसेंस है तो आप चार घंटे में आसानी से वहां पहुंच सकते हैं। यह टैक्सी से भी काफी सस्ता होगा और मुझे लगता है कि यह आपके लिए बहुत अच्छा विकल्प है!'

डॉ. अहमद को सुझाव बहुत उपयोगी लगा। अब उनके लिए कोई विकल्प नहीं बचा था। डॉ. अहमद ने एक कार किराए पर ली। यूं तो लॉन्ग ड्राइव करना उन्हें ज्यादा पसंद नहीं था, लेकिन उस दिन वह बिना ड्राइव किए नहीं निकल सकते थे। उनके मन में एक बार फिर सम्मेलन के विचार आने लगे। कुछ पलों के लिए दबा हुआ रोमांच फिर से जाग उठा। लेकिन उस दिन प्रकृति ने भी मानो डॉक्टर के खिलाफ युद्ध छेड़ दिया हो। डॉक्टर अभी मुश्किल से सौ किलोमीटर ही तय कर पाए हैं और माहौल में भयानक परिवर्तन शुरू हो गया। आंधी जैसी हवा चलने लगी ,कुछ ही मिनटों में तेज बारिश होने लगी। बीच में बारिश के ओले भी गिर रहे थे।

डॉक्टर को कार चलाने में दिक्कत होने लगी। आगे का रास्ता देखना भी मुश्किल था।कार के आगे के काच में उनके उछ्श्वास की भाप बन रही थी । बारिश कम होने की बजाय हर पल तेज होती जा रही थी। इतनी भयानक बारिश, धुंधली सड़क और अनजान इलाका! इन सबके चलते डॉ. अहमद रास्ता भूल गए। उन्हें उस मोड़ का साइन बोर्ड नजर नहीं आया जहां उन्हें एक जगह मुड़ना था! वे मुड़ने के बजाय आगे बढ़ गए।

तीन घंटे और गाड़ी चलाने के बाद बारिश कम हो गई, लेकिन डॉक्टर को शक हुआ कि वह रास्ता भूल गया है। लेकिन अब उस रास्ते से नीचे जाने से पहले थोड़ा आराम और पेट में कुछ डालने की जरूरत थी। सड़कें इतनी सुनसान थीं कि सड़क के किनारे कोई स्टॉल या रेस्टारेंट दिखाई नहीं दे रहे थे। डॉक्टर इस उम्मीद में कार चलाते थे कि अगर उन्हें कोई गांव दिखाई देगा तो वे वहां के किसी निवासी से मार्गदर्शन प्राप्त कर सकेंगे।

कई बार कोई गांव नजर नहीं आया। अब वह सचमुच थका हुआ महसूस कर रहे थे। अब सम्मेलन का विचार भी थम गया था और वहाँ पहुँचने की उसकी उत्कंठा मर चुकी थी। अब कोई गाँव देखा तो उनके मन में एक ही विचार आया कि ठहर जाऊँ। अचानक उसकी नजर सड़क के किनारे एक घर पर पड़ी। दूर का एक गाँव भी दिखाई दे रहा था। लेकिन डॉक्टर इतने थके हुए थे कि उन्होंने उस घर को देखते ही कार रोक लिया. वह कार से बाहर निकले और उस घर का दरवाजा खटखटाया।

एक बूढ़ी औरत ने दरवाजा खोला। दरवाजा थोड़ा खुला रखते हुए उन्होंने सब कुछ पूछा कि यह आदमी कौन है, कहां से आता है, इसका काम क्या है, डॉ. अहमद ने कहा कि वह खुद रास्ता भूल गया है. उसने यह भी कहा कि वह कई घंटों तक गाड़ी चलाने से बहुत थक गया है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर घर में टेलीफोन है तो वह इसका इस्तेमाल करना चाहते हैं।

उनके घर में न टेलीफोन है और न ही पिछले 24 घंटे से लाइट है बताकर महिला ने घर का दरवाजा खोला। फिर कहा, यदि ऐसा है, तो आप थोड़ी देर के लिए अंदर आ सकते हैं और यदि आपको कोई आपत्ति नहीं है, तो कुछ खा ले, फिर आगे बढ़ना! आपका चेहरा बहुत थका हुआ लग रहा है।

डॉ अहमद ने एक पल के लिए सोचा। थकान और भूख तो महसूस हो रहे थे। इसके अलावा, यह निश्चित नहीं था कि उस अज्ञात रास्ते से मूल मार्ग पर फिर से चढ़ने में कितना समय लगेगा। उसने प्रस्ताव स्वीकार कर लिया।

हाथ-मुंह धोने के बाद डॉक्टर नाश्ते की मेज पर बैठकर नाश्ता करने लगा। इतनी थकान के बाद उन्होंने गर्म नाश्ता और चाय पीना बेहतर समझा।

'भाई! क्या मैं प्रार्थना कर लू? मेरी प्रार्थना का समय हो गया है , उस महिला ने कहा।
डॉक्टर ने सिर हिलाया।

चाय पीते हुए डॉक्टर ने मोमबत्ती की धीमी रोशनी में देखा कि महिला घड़ी के पास बैठी प्रार्थना कर रही है। आश्चर्य की बात यह थी कि एक बार प्रार्थना समाप्त होने के बाद, महिला उठने के बजाय फिर से प्रार्थना शुरू कर देती, बीच-बीच में वह घड़ी को देखती और कभी-कभी अपने आंसू भी पोंछती।

डॉक्टर को आभास हो गया कि यह महिला संकट में है। उसके आंसू कह रहे थे कि समस्या साधारण नहीं गंभीर है। शायद उसे कुछ मदद की जरूरत है और अगर कहीं पर भी उनकी मदद की जरुरत है तो वो तैयार है , 'बहन! यदि आप बुरा न मानें आपकी समस्याओं को सुनने और यदि संभव हो तो मदद करने को तैयार हूं। मैं देख रहा हूँ कि तुम किसी बड़ी मुसीबत में हो।'

महिला कुछ देर डॉक्टर को देखती रही। फिर बोले, 'भाई! प्रभु मेरी कई प्रार्थनाओं को सुनते हैं, लेकिन पता नहीं इस बार मेरी प्रार्थना में क्या दोष रह गया है, या यह केवल एक प्रार्थना है, जिसका ना तो वह जवाब देता है या जिसका ना तो रास्ता दिखाता है। शायद मेरी श्रद्धा में कुछ गड़बड़ है वरना ऐसा बिल्कुल नहीं होता!' यह कहते हुए, उस महिला के आंखों में आंसू भर आए।

'बहन!' डॉ. अहमद ने कहा, 'अगर आप बुरा न मानें तो मुझे बताएं कि ऐसी कौन सी चीज है जो आपको बार-बार रुलाती है? वह क्या है जिसके लिए आपको एक प्रार्थना के तुरंत बाद दूसरी प्रार्थना करनी पड़ती है ?क्या मैं आपके किसी काम आ सकता हूँ?

महिला कुछ देर डॉ. अहमद को देखती रही। डॉक्टर की आवाज में सच्ची सहानुभूति ने उन्हें छू लिया। वह बात करने लगी। भाई! इस पालनेमे सोया हुआ बच्चा मेरा पोता है। उसके माता-पिता की कुछ समय पहले एक कार दुर्घटना में मौत हो गई थी। इस बच्चे को एक तरह का कैंसर है जिसका इलाज आसपास के शहरों का कोई भी डॉक्टर नहीं कर सकता। पास के एक बड़े शहर के एक डॉक्टर ने कहा है कि इस बीमारी का इलाज यहां संभव नहीं है, लेकिन यहां से दूर देश के दक्षिणी हिस्से में एक डॉक्टर है जो इस कैंसर का सफल इलाज कर सकता है। परन्तु भैया! मैं इतने छोटे बीमार बच्चे के साथ अकेली औरत,, उस डॉक्टर को ढूँढने के लिए दूर कैसे जाऊँ? इसलिए मैं हर दिन प्रार्थना करती हूं कि मुझे कोई रास्ता बताएं। लेकिन मुझे नहीं पता कि वह मेरी प्रार्थना का जवाब कब देंगे:' एक बार फिर महिला की आंखों में आशु भर आये।

आप डॉक्टर का नाम, पता और बच्चे के कैंसर के प्रकार के बारे में जानते हैं?' डॉक्टरने पूछा।

हां भाई! बेटे की फाइल में डॉक्टर का नाम और बाकी सारी जानकारियां लिखी हैं। मैं तुम्हें देखकर बताती हूं।' महिला ने बगल में टेबल पर पड़ी अपने पोते की फाइल उठाई और खोली।

उस डॉक्टर का क्या नाम है?' डॉक्टर से पूछा। डॉक्टर अहमद! वह शहर में रहता है!' महिला ने जवाब दिया।

डॉ. अहमद की दोनों आँखों में आँसू आ गए। उसने रोते हुए कहा, उपरवाला वास्तव में बहुत महान है। उसने विमान में गलतियाँ कीं, तूफान भेजा, भारी बारिश की, यहाँ तक कि मुझे रास्तो भटकने पर मजबूर कर दिया। उसने यह सब इसलिए किया क्योंकि वह आपकी प्रार्थनाओं का उत्तर थोड़े अलग तरीके से देना चाहता था। वह आपको डॉ. अहमद के पास ले जाने को तैयार नहीं था, क्योंकि वह जानता था कि आप कितनी परेशानी में पड़ सकते हैं। तो देखो! वह डॉक्टर अहमद को आपके पास लाया

बहन! मैं डॉ. अहमद हूँ!' महिला ने रोते हुए कहा, 'हे भगवान! आप वास्तव में महान और बहुत दयालु हैं! प्रार्थनाओं का उत्तरे देने का आपका तरीका वास्तव में निराला है!'

डॉ. अहमद भी आंखों में आंसू लिए मन ही मन यही शब्द कह रहे थे।